ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)
आइए इसके बारे में जानें

कक्षा VI, VII और VIII के विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्य सामग्री

शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी 20)
आइए इसके बारे में जानें

यहां ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी 20) पर एक आपसी बातचीत दी गई है जिसमें कन्नन, आस्था और उनकी अध्यापिका श्रीमती एकता जी 20, जी 20 की भूमिकाओं और इस वर्ष भारत की अध्यक्षता के बारे में विचार-विमर्श कर रहे हैं। आइए उनकी बातचीत को पढ़ते हैं।

आस्था : नमस्कार ! कन्नन और नमस्कार महोदया! कैसे हैं आप?

कन्नन : नमस्ते! मैं ठीक हूं। कैसी हो आस्था?

श्रीमती एकता : नमस्कार। मैं अच्छी हूं। आप दोनों कैसे हैं?

आस्था : महोदया, मैं जी 20 के बारे में जानना चाहूंगी। मैंने इसके बारे में समाचार में पढ़ा और टेलीविजन पर खबरें भी देखीं। हमारे प्रधानमंत्री ने नवम्बर 2022 में जी- 20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

श्रीमती एकता : हाँ आस्था, यह ठीक है कि भारत जी 20 का नेतृत्व करता है क्योंकि भारत प्राचीन काल से दुनिया के पहले गणराज्य के रूप में लोकतंत्र का जन्म स्थल है। जी 20 फोरम भारत को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को दुनिया के सामने संप्रेषित करने का अनोखा अवसर देता है।

कन्नन : हां एकता की तरह मैं भी जी20 के बारे में जानना चाहता हूं।

श्रीमती एकता : यह अच्छा है। मुझे बहुत खुशी है कि आप जानते हैं कि दुनिया भर में क्या हो रहा है। मुझे यह जानकार अच्छा लगा की आपकी जानने की जिज्ञासा और रूची है। ठीक है। जी 20 के बारे में बताने से पहले मैं आपसे एक प्रश्न पूछती हूँ। क्या आप जानते है कि जी 20 का क्या मतलब है?

कन्नन : हां मुझे पता है। यह **'ग्रुप ऑफ ट्वेंटी'** है?

आस्था : हां। मुझे भी पता है। क्योंकि बीस देश जी 20 के सदस्य हैं।

कन्नन : जी हां।

श्रीमती एकता : क्या ये सभी 20 देश हैं या कोई संगठन या देशों का समूह भी इसमें है?

कन्नन : हां। मुझे लगता है कि वे सभी देश हैं।

आस्था : मुझे भी ऐसा ही लगता है।

श्रीमती एकता : नहीं। **19 देश** हैं और देशों का एक संघ है जिसे **यूरोपीय संघ** के नाम से जाना जाता है। इसे हम आगे समझेंगे। आइए अब जानते हैं कि जी 20 क्या है; इसे क्यों बनाया गया और इत्यादि।

कन्नन : जी महोदया। हमें इस बारे में बताएं।

श्रीमती एकता : जी 20, या ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी**,** अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और आपसी समझ का एक मंच है। यह दुनिया की 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक **अंतर-सरकारी मंच** है। अंतर-सरकारी का अर्थ है कई सरकारें - दो या अधिक सरकारें। आप देखिए, देशों की 19 सरकारें हैं और यूरोपीय संघ जो यूरोप के अधिकांश देशों का एक मंच है।

आस्था : ओह! यह बहुत अच्छा है - कई देशों का एक मंच। महोदया मेरा एक सवाल है। आपने कहा कि यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसे हम समझते हैं। आपने यह भी कहा कि यह 20 प्रमुख **विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं** के लिए एक मंच है। 'विकसित' और 'विकासशील' देश क्या है?

कन्नन : हां। क्या आप कृपया हमें इसके बारे में बता सकते हैं?

श्रीमती एकता : ठीक है। हां। आप जानते हैं कि दुनिया के कुछ देश एक अवधि में आर्थिक रूप से विकसित हुए हैं और उनके पास भौतिक संपदा है, उच्च जीवन स्तर है और वे बहुत सारी व्यापारिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। उन्हें विकसित देशों के रूप में जाना जाता है। विकसित देशों में अधिकांश लोग विकासशील देशों की तुलना में अधिक आय अर्जित करते हैं। जी 20 के इस मंच में विकसित देश और विकासशील देश दोनों हैं। यह देशों की इन दो श्रेणियों के बीच के अंतराल को दूर करने के लिए है। आप इसे देख सकते हैं। ये 19 देश दुनिया के अंटार्कटिका (जहां कोई मानव आबादी नहीं रहती है) को छोड़कर सभी महाद्वीपों से हैं। यहां देशों की सूची दी गई है आस्था और कन्नन। आप इसे स्वयं पढ़ें।

आस्था और कन्नन : हां महोदया। ये देश इस प्रकार हैं, जिनका नाम वर्ण के क्रम में दिया गया है, **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरीका और यूरोपीय संघ** ।

श्रीमती एकता : अब आप जानते हैं कि छह महाद्वीपों के ये देश हैं : एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरीका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया,

कन्नन : मुझे यह देखने दीजिए कि अफ्रीका का कौन सा देश जी 20 का सदस्य है। हां। यह दक्षिण अफ्रीका है।

आस्था : मैं आपको बता दूं कि हमारे महाद्वीप, एशिया से कौन-कौन से देश हैं, भारत, चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और तुर्की।

कन्नन : हां। लेकिन तुर्की तो एशिया और यूरोप दोनों में है।

आस्था : हां। रूस की तरह जो एशिया और यूरोप में फैला हुआ है।

श्रीमती एकता : तो, क्या हम कह सकते हैं कि यह वास्तव में आर्थिक और राजनीतिक सहयोग का एक वैश्विक मंच है?

आस्था : हां। यह वास्तव में एक वैश्विक मंच है।

कन्नन : तो यह भारत में हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है कि भारत ने जी 20 की अध्यक्षता संभाली है।

श्रीमती एकता : हां, ज़रूर। क्या आप जानते हैं कि भारत ने 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक यह अध्यक्षता संभाली है?

कन्नन : हां। मैं आपसे जानना चाहता हूं मैडम, इसे कब शुरू किया गया था? यह जी 20 कैसे शुरू हुआ?

आस्था : हां। मैं भी ऐसे मंच को बनाने का कारण और आवश्यकता जाननी चाहती हूं मैडम।

श्रीमती एकता : मुझे आपकी दिलचस्पी पसंद है। मैं आपको बता दूं कि एशिया में आए वित्तीय संकट के बाद 1999 में वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए एक मंच के रूप में जी 20 की स्थापना की गई थी। ध्यान दें, आस्था और कन्नन, जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों, सेंट्रल बैंक जैसे की भारत में रिजर्व बैंक के एक मंच के रूप में शुरू हुआ है। वर्ष 2007 में जब वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट हुआ था जिसने दुनिया के सभी देशों को प्रभावित किया था, तब जी 20 को देशों / सरकार के प्रमुखों के स्तर पर अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2009 में जी 20 को **'अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच'** का नाम दिया गया था। यह आर्थिक सहयोग और आपसी समझ और समर्थन के लिए वास्तव में एक वैश्विक मंच बन गया।

कन्नन : ओह! धन्यवाद महोदया। यह दिलचस्प है। यह सभी को लाभ देने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

आस्था : मैं जी 20 के रूपांतरण के बारे में जानने के लिए बहुत उत्साहित हूं। महोदया जी 20 का एक प्रतीक चिन्ह (Logo) है। क्या आप हमें जी 20 के प्रतीक चिन्ह (Logo) के बारे में बता सकती हैं?

श्रीमती एकता : ठीक है। आप इसे देख सकते हैं। जी 20 के शून्य के स्थान पर पृथ्वी और कमल का फूल है जोकि हमारा राष्ट्रीय पुष्प है, बना हुआ है। जिसके नीचे **हिन्दी में भारत 2023 और अंग्रेजी में इंडिया** लिखा है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को अधिक प्रमुखता दी जा रही है क्योंकि दुनिया अर्थव्यवस्था और डिजिटल प्रौद्योगिकी के कारण अधिक से अधिक एकीकृत हो रही है। जबकि भारत पिछले 3000 से अधिक वर्षों से इस भावना से ओतप्रोत रहा है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। नीचे महा उपनिषद से लेए गये प्रेरणादायक संस्कृत वाक्य *"वसुधैव कुटुम्बकम" - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य लिखा है*। जी 20 के माध्यम से **'विश्व एक परिवार है'** विश्व को भारत की ओर से एक संदेश है। यह प्रसंग इसे आज की दुनिया में संगत बनाता है क्योंकि कई देशों में संघर्ष और युद्ध, गरीबी और अन्य समस्याएं लोगों और समुदाय के जीवन को पूर्ण रूप से प्रभावित कर रही हैं।

जी 20 प्रतीक चिन्ह में **भारत के राष्ट्रीय ध्वज** के जीवंत रंगों - **केसरिया, सफेद और हरा और नीला** से प्रेरणा ली गई है। **यह भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।** इसकी विषयवस्तु सभी जीवन - मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता की पुष्टि करती है।

आस्था : यह दोनों दिलचस्प और प्रेरणादायक है। मुझे एक भारतीय के रूप में गर्व महसूस हो रहा है।

कन्नन : मैं भी ऐसा ही महसूस करती हूं, एक गौरवान्वित भारतीय।

श्रीमती एकता : मैं आपको जी 20 प्रतीक चिन्ह (Logo) की विषयवस्तु के बारे में भी कुछ और बता दूं। यह विषयवस्तु व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास दोनों के स्तर पर इसके संबद्ध, पर्यावरणीय रूप से स्थायी और जिम्मेदार विकल्पों के साथ जीवन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को भी उजागर करती है, जिससे विश्व स्तर पर परिवर्तनकारी कार्य होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ, हरित और नीलिमा भरा भविष्य होता है।

आस्था : ओह! अचछा। हम जैसे युवाओं के लिए इसकी बहुत अधिक आवश्यकता है। हमें अपने पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

श्रीमती एकता: वर्ष 2021 में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी 26) में ग्लासगो में हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट) की संकल्पना भी मैं आपके साथ साझा करती हूं। जी 20 के बारे में कुछ और तथ्य/ एवं यह भारत के लिए कैसे महत्वपूर्ण है। आप भली भांति जानते हैं कि हम अपनी आजादी के 75 वर्ष मना रहे हैं। भारत के लिए, जी 20 अध्यक्षता भी **'अमृतकाल'** की शुरुआत का प्रतीक है, 15 अगस्त 2022 को अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से शुरू होने वाली 25 वर्ष की अवधि, एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की ओर अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक जाने वाली अवधि है जो इसके मूल, केंद्र में एक मानव-केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा प्रतिष्ठित है।

कन्नन : यह वास्तव में रोमांचक है! मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि ये कैसे साकार होता है।

आस्था : हां। मैडम, एक और सवाल मुझे आपसे पूछना है । जी 20 के हिस्से के रूप में भारत किन गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है?

श्रीमती एकता : इसमें सभी के भाग लेने और योगदान देने के लिए बहुत सारी गतिविधियां हैं। भारत 50 से अधिक शहरों में 32 विभिन्न कार्य धाराओं अर्थात थीम और कार्यक्षेत्र में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। इन बैठकों के माध्यम से हमारे पास जी 20 प्रतिनिधियों और जी 20 देशों के मेहमानों और अतिथि देशों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करने और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर होगा।

आस्था : आपने कहा कि कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसके बारे में हमें बाद में बताएं। अब मैं एक प्रश्न पूछती हूं**,** "क्या हमारे, स्कूल, विद्यार्थियों के लिए गतिविधियां होगीं**?"**

कन्नन : मैं इसमें भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।

श्रीमती एकता : हां। स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कई गतिविधियां और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां का पहले शुभारंभ / शुरू की जा चुकी हैं। आप उनमें भाग ले सकते हैं। दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हैं - एक जी 20 के बारे में सामान्य जागरूकता पर और दूसरी पर्यावरण प्रश्नोत्तरी के लिए जीवन शैली पर। ये दो प्रश्नोत्तरी पहले ही शुरू की जा चुकी हैं और https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं। एक स्लोगन नारा लेखन प्रतियोगिता भी शुरू की गई है। आप उनमें ऑनलाइन भाग ले सकते हैं और जी 20 और उसके विभिन्न आयामों पर एक स्लोगन/ नारा भी लिख सकते हैं।

कन्नन : मैं निश्चित रूप से भाग लूंगा।

आस्था : मैं भी अभी इसमें भाग लूंगी।

श्रीमती एकता : पूरे वर्ष के लिए बहुत सारे कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। स्कूली विद्यार्थियों के लिए संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) प्रदर्शनियां भी होगीं। गतिविधियों की समय-सारणी में दर्शाए गए विभिन्न स्थानों पर विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। आप आस्था और कन्नन उन्हें विशेष रूप से बनाई गई जी 20 वेबसाइट g20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और रा.शै.अ.प्र.प. की वेबसाइट https://ncert.nic.in से भी देख सकते हैं। मैंने आपको बताया था कि वहां कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। मैं इन देशों के बारे में बताती हूं।

अतिथि देश हैं : हमारे पड़ोसी बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

आस्था : ये फिर से दुनिया भर के देश हैं। अतिथि देश भी दुनिया भर में फैले हुए हैं।
कन्नन : बढ़िया! सभी देशों को एक साथ लाने का अर्थ है दुनिया के लोगों को एक साथ लाना ताकि एक सामंजस्यपूर्ण जीवन व्यतीत किया जा सके।

श्रीमती एकता : बिल्कुल! चलिए आपको ये भी बता देते हैं कि संयुक्त राष्ट्र जैसे कई अंतरराष्ट्रीय संगठन भी भारत की अध्यक्षता के दौरान जी 20 गतिविधियों में भाग लेंगे।

आस्था : ठीक है। ये कौन से संगठन हैं?

श्रीमती एकता : कन्नन, क्या आप अनुमान लगा सकते हैं?

कन्नन : मुझे पता है कि यू-एन-ओ होगा। लेकिन...।

श्रीमती एकता : हां। आप ठीक कह रहे हैं। लेकिन कई और संगठन जी 20 गतिविधियों में आमंत्रितों के रूप में भाग ले रहे हैं। इसमे शामिल है : संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मॉनिटरी फंड (आई.एम.एफ.), विश्व बैंक (डब्ल्यू.बी.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.), अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफ.एस.बी.), आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) एवं कई और क्षेत्रीय संगठन जैसे एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)।

आस्था और कन्नन : जी 20 और इसकी भूमिका और कार्य एवं भारत के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों के लिए भारत की अध्यक्षता कैसे महत्वपूर्ण है इसके बारे में हमें समझाने और जागरूक करने के लिए धन्यवाद महोदया।

श्रीमती एकता : ठीक है। आपका स्वागत है। मैं आपको यह भी बता दूं कि भारत की चेष्टा और प्रयास है की इस वर्ष का जी 20 कार्यक्रम और भारत की अध्यक्षता अद्‌वितीय और विशिष्ट हो इसके लिए **भारत की जी 20 अध्यक्षता, जी 20 को जनता के करीब ले जाएगी और इसे वास्तव में 'लोगो की जी 20 बनाएगी।** इसे अनुभव करने के लिए, **वर्ष भर** विभिन्न **जन भागीदारी गतिविधियों** के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर **जन भागीदारी** की **योजना** बनाई गई है। यह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि है।

आस्था और कन्नन : धन्यवाद मैडम।

श्रीमती एकता : आपका स्वागत है। मैं आप दोनों के लिए दो कार्य देती हूं। पहले जैसा कि आपने वादा किया था, क्विज और स्लोगन/ नारा प्रतियोगिता में भाग लेना।

अन्य कार्य जी 20 वेबसाइट https://www.g20.org पर जाना और देशों और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के बारे में पढ़ना है।

आस्था और कन्नन : ज़रूर मैडम। हम करेंगे।

विद्‌यार्थी, जी 20 पर बातचीत कैसी रही? क्या आपने भी जी 20 के बारे में जाना? यहां आपके लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं जिनका हल जो बातचीत आपने पढ़ी है उसके आधार पर करें।

1. जी 20 क्यों बनाया गया था**?**
2. जी 20 के प्रारंभ में सदस्य देशों में से किसने भाग लिया था**?**
3. अब जी 20 के अध्यक्ष कौन हैं**?**
4. जी 20 प्रतीक चिन्ह (**Logo)** क्या संदेश देता है**?**
5. जी 20 देशों में से किसी एक में अपने जैसे किसी अन्य विद्‌यार्थी को एक पत्र लिखें, जिसमें हमारे देश, आपके कस्बे / गांव / शहर के बारे में और यहां के लोग, त्योहार आदि के बारे में वर्णन हो।